जीवन विज्ञान इन्टरनेशनल शिविर सम्पन्न

जीवन विज्ञान इन्टरनेशनल रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के द्वारा आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में एवं मुनि किशनलाल के निर्देशन में 8 से 13 नवम्बर तक आयोजित जीवन विज्ञान इन्टरनेशनल शिविर का समापन आज तेरापंथ भवन में एक विशिष्ट समारोह के दौरान हुआ। इस समारोह में हरियाणा की पूर्व मंत्री एवं जिन्दल ग्रुप की मुख्या सावित्री जिन्दल, हिसार के आई.पी.एस सतीश जैन, आई.डी.एम. अमरदीप जैन, बंगाल के ए.डी.जी. अनिल कुमार आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। मूलचन्द विकास कुमार मालू द्वारा प्रायोजित इस शिविर में पंजाब, हरियाणा, आन्ध्रप्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, मध्यप्रदेश दिल्ली आदि राज्यों से 74 विद्यार्थियों एवं 12 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

शिविर के समापन सत्र को संबोधित करते हुए आचार्य महाश्रमण ने कहा कि विद्यार्थियों ने शिविर में आवेगों और संवेगों पर नियंत्रण करने की कला का ज्ञान दिया है। 6 दिन की अवधि में बहुत कुछ सीखा गया अब उस ज्ञान को रोजाना काम में लेना है, अभ्यास करना है, जिससे गुस्से पर नियंत्रण किया जा सके। जीवन को शांतिमय बनाया जा सके। उन्होंने सहजीवन के लिए जारी सूत्रों की चर्चा करते हुए कहा कि सहना चाहिए मौके पर कहना चाहिए और शांति से रहना चाहिए। जीवन विज्ञान प्रभारी मुनि किशनलाल, बजरंग जैन शिविर संयोजक विक्रम सेठिया ने शिविर के सन्दर्भ में अपने विचार रखे। मुनि नीरज कुमार ने ''शिक्षा में लागू हो जाये जीवन विज्ञान, बनेगा भारत महान'' गीत से मंगलाचरण किया। शिविरार्थी आरतीपाल, यश जैन, दिव्यपाल, आतिर आलम ने अनुभवों की प्रस्तुति दी। चातुर्मास व्यवस्था समिति की ओर से अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी, जितेन्द्र नाहटा, स्वरूपचन्द बरड़िया आदि ने अतिथियों का मोंमेंटो देकर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीतकुमार ने किया। इस शिविर में मुनि किशनलाल, मुनि कुमार श्रमण, मुनि हिमांशुकुमार, मुनि नीरजकुमार, समण सिद्धप्रज्ञ, प्रेक्षा प्रशिक्षक डॉ. एस.के. जैन, सुरेश कोठारी, डॉ. जे.पी.एन. मिश्रा, प्रेक्षा प्रशिक्षक हनुमान शर्मा, गिरजाशंकर दुबे आदि ने आसन प्राणायाम प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया।

- शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)